Source: Economic Times
Date: April 24, 2008

Biotech major to develop biomarkers in three years

Our Bureau

BANGALORE

BIOTECHNOLOGY company Avesthagen expects to develop biomarkers in three years for preventive and personalised healthcare as its makes progress on a project to create a genetic and medical database of India's Parsi community.

The Avesthagenome project aims to find a genetic basis for the relative longevity of Parsis compared to the rest of the Indian population.

Chairperson and Managing Director Villoo Morawala-Patell said blood samples had been collected from Parsis living in Hyderabad, Surat, Ahmedabad and Navsari (Gujarat) while it would begin in Mumbai, where most Parsis live, soon. Biomarkers indicate the biological state of an organism and the information can help speed up and improve efficacy of treatment.

Source: Financial Express
Date: April 24, 2008

Avesthagen unveils bioactive Teestar

Avesthagen Ltd launched whole-wheat crackers, which contained a clinically validated bioactive called Teestar to prevent diabetes, it said. The company said the product that would hit the markets on May 15, helped users to control blood glucose levels through a diet regimen, without necessarily relying on medication alone. Teestar normalised the rise in blood glucose levels by slowing the carbohydrate breakdown process and promoted a feeling of satiety by providing viscosity to the food, the company said. Avesthagen will launch the whole-wheat crackers, which resemble biscuits, through its subsidiary Avesta Good Earth Food Pvt Ltd. The World Health Organisation estimates that India, currently with 35 million diabetics, would become the "diabetes capital of the world" by 2025.

Source: Times of India
Date: April 24, 2008

Cracker biscuit for diabetics

Anshul Dhamija | TNN

Bangalore: With India being the diabetic capital of the world, the country's leading bio-pharmaceutical companies are introducing a plethora of new products to beat the disease. And rather than the traditional injection, some are coming out with unconventional and less troublesome offerings.

Bangalore-based life science company Avesthagen has launched a cracker biscuit enriched with a bioactive — Teestar.

The bioactive, derived from a single herb, is a patented product that the company claims will reduce blood glucose levels among diabetics by almost 10-15%. The cracker directly enters the food chain of a patient.

"The cracker will help you to delay the consumption of insulin or even be able to avoid the intake of insulin, said Dr Villoo Morawala Patell, CMD of Avesthagen.

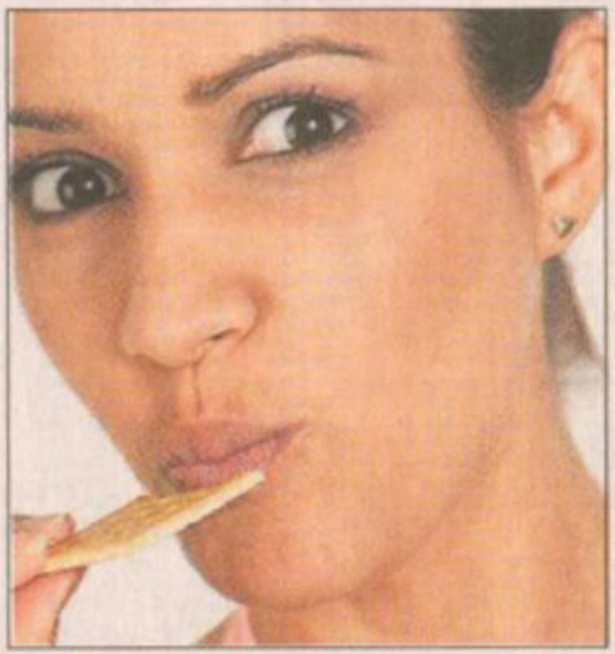

CRACKING AWAY DIABETES

Bio-pharma major Biocon is working on an oral insulin that is expected shortly to enter the final stages of clinical trials. "We are trying to ascertain the correct dosage for IN105 (oral insulin molecule) for treating type II diabetes. Our phase IIa trials are currently on in five sites and we are studying patient response to IN105 vis-a-vis Metformin, which is used to control blood glucose levels," said Kiran Mazumdar-Shaw, CMD of Biocon.

India has over 35 million people suffering from diabetes, with almost 30% of the urban population under the age of 40 suffering from it. Avesthagen's bioactive will be present across all the product offerings of its nutrition arm Avestha Good Earth, including breakfast cereals and energy bars. "We are evaluating a business model by which we will be able to sell the bioactive in a capsular form over the counter too," said Patell.

Avesthagen is also trying to develop bioactives for bone related problems and cardio vascular diseases.

Source: Dakshin Bharat
Date: April 24, 2008

अवेस्टाजन ने उतारा नया उत्पाद 'टी स्टार'

बेंगलूर, 23 अप्रैल। देश की अग्रणी ज्ञान आधारित जीवन विज्ञान कम्पनी अवेस्टाजन लिमिटेड ने आज अपने नए उत्पाद टी स्टार को बाजार में लाने की घोषणा की। इसका उद्देश्य रक्त में शर्करा की मात्रा का बेहतर प्रबंध करना है। देश में 15 मई से उपलब्ध होने वाला कम्पनी का यह नया उत्पाद कैप्सूल और क्रैकर दोनों विकल्पों में उपलब्ध होगा। यह घोषणा कम्पनी की संस्थापक अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक विलू मोरवाला पटेल ने की।

आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि देश में इस समय 3 करोड़ 50 लाख लोग मधुमेह की बीमारी से पीड़ित है जो विश्व की सबसे खतरनाक बीमारियों में शामिल हैं। यदि यह तादाद इसी तेजी से बढ़ती रही तो वर्ष 2025 तक भारत मधुमेह रोगियों की सबसे अधिक संख्या वाला देश होगा। भारत में मधुमेह से पीड़ित रोगियों में 90 से 95 फीसदी लोग इसके 'टाइप-टू' का शिकार होते हैं। उन्होंने बताया कि टीस्टार मधुमेह औषधि के साथ खाद्य

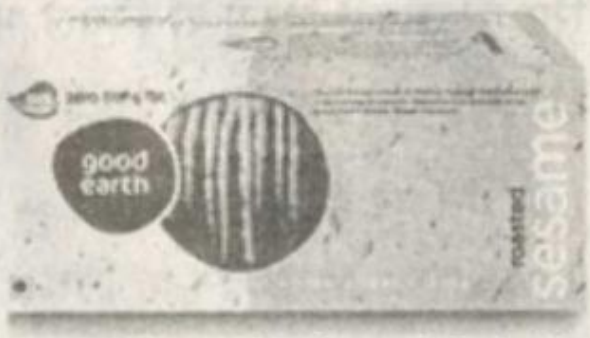

विकल्प के रूप में भी उपयोगी है और इससे रक्त में शर्करा की मात्रा या स्तर सही बनाए रखने में काफी मदद मिलती है। अवेस्टाजन ने टीस्टार के लिए दो पेटेंट तकनीकों का उपयोग किया है।

डॉ पटेल ने इस मौके पर कहा कि फंक्शनल फुड्स के क्षेत्र में हम अगले चरण की उपलब्धि हासिल करते हुए टीस्टार को प्रस्तुत कर रहे हैं।

Source: Economic Times
Date: April 24, 2008

डायबिटीज की दवा लगाएगी अविस्थाजीन

ईटी ब्यूरो
बंगलुरु

बॉयोटेक्नोलॉजी क्षेत्र से जुड़ी कंपनी अविस्थाजीन डायबिटीज में काम आने वाली एक दवा लाने वाली है। कंपनी ने बुधवार को कहा है कि उसने 'टीस्टार' के क्लिनिकल ट्रॉयल को पूरा कर लिया है। टीस्टार बॉटिनीकल बॉयोएक्टिव दवा है और यह डायबिटीज के रोकथाम में काम आती है। कंपनी आने वाले 15 मई को इसे फूड सप्लिमेंट के तौर पर लॉन्च करेगी।

टीस्टार को गेहूं के दाने के रूप में लाया जाएगा। इसमें किसी भी प्रकार का फैट या फिर रेशा नहीं होगा। इसकी जानकारी अविस्था गुड अर्थ फूड्स के सीईओ संदीप डांग ने दी। अविस्था गुड अर्थ फूड्स, अविस्थाजीन की सहयोगी कंपनी है। उन्होंने बताया, ''यह दवा शरीर में कार्बोहाइड्रेड बेक्रडाउन की प्रक्रिया को कम कर देती है। परीक्षणों के दौरान यह देखा गया है कि टीस्टार खून से ग्लूकोज की मात्रा को कम करती है।''

कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर और चेयरपर्सन मोरावाला पटेल कहती हैं, ''इस दवा में पूरी तरह से प्राकृतिक तत्वों का इस्तेमाल किया गया है। वैज्ञानिक परीक्षणों के दौरान हमें टाइप-टू के डायबिटीज के लिए दवा बनाने को काफी मदद मिली है।'' इस दवा को ढाई हजार प्रकार औषधियों का उपयोग कर तैयार किया गया है। ये औषधियां पारंपरिक भारतीय मेडीकल सिस्टम में प्रचलित हैं।

डांग बताते हैं कि भारत में डायबिटीज से पीड़ित लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। देश के साढ़े तीन करोड़ मरीजों में से एक तिहाई ऐसे हैं जिनकी उम्र चालीस साल से भी कम है।

इस बीच, अविस्थाजीन आईपीओ लाने पर भी विचार कर रही है। इस संबंध में कंपनी कुछ मर्चेंट बैंकरों से बातचीत कर रही है। इसकी जानकारी पटेल ने दी। उन्होंने यह नहीं बताया कि आईपीओ के

जरिए कितनी राशि की उगाही की जाएगी। हालांकि पहले उन्होंने इकनॉमिक टाइम्स से कहा था कि कंपनी आठ सौ से बारह सौ करोड़ रुपए की इकट्ठा करेगी। पटेल के पास कंपनी के 35 फीसदी हिस्से हैं। बाकी के हिस्से पर रणनीतिक और वित्तीय निवेशकों के पास हैं।